पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

<u>राज्यपाल ने इमाम हुसैन के विलादत की मुबारक दी</u>
<u>रौजा काजमैन में जश्ने फातहे कर्बला में शिरकत की</u>

लखनऊः 21 अप्रैल, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने रौजा काजमैन में आयोजित 'जश्ने फातहे कर्बला' में शिरकत की और सभी श्रद्धालुजन को इमाम हुसैन के यौमे विलादत की बधाई दी। इस अवसर पर मौलाना आगा रूही, मौलाना इरशाद अब्बास, मौलाना सदफ जौनपुरी, कुलपति किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय प्रो0एम0एल0 भट्ट व बड़ी संख्या में इमाम हुसैन के चाहने वाल उपस्थित थे। महफिल में शायरों ने इमाम हुसैन की शान में कसीदे पढ़े। राज्यलान ने समारोह में मेधावी छात्रा सुश्री फरवा नकवी व दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ी अमन रिजवी को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन तथा कुलपति प्रो0एम0एल0 भट्ट को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिये स्मृति चिन्ह व शाॅल दे कर सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि इमाम हुसैन का व्यक्तित्व ऐसा है कि वे केवल मुस्लिम कौम तक सीमित नहीं हैं। सारे विश्व में इमाम हुसैन के चाहने वाले हैं, जो उनके प्रति अपार श्रद्धा रखते हैं।

राज्यपाल ने महात्मा गांधी, रवीन्द्रनाथ टैगोर, डा0 राजेन्द्र प्रसाद, पूर्व राज्यपाल सरोजनी नायडू व अन्य प्रबुद्ध जनों के इमाम हुसैन के प्रति उद्धगार को उद्धत किये। उन्होंने कहा कि इमाम हुसैन की कुर्बानी सच्चाई और इंसानियत के लिये थी जो आज भी उतनी ही प्रासंगिक है।

श्री नाईक ने कहा कि जश्ने फातहे कर्बला के माध्यम से उत्तर प्रदेश की राजधानी में एकता और सद्भाव का संदेश पूरे देश में जायेगा। लखनऊ की गंगा जमुनी संस्कृति की मिसाल बनी रहे इसका ज्यादा से ज्यादा प्रचार-प्रसार हो। उत्तर प्रदेश में कुछ अच्छा होता है तो उसका असर पूरे देश पर पड़ता है। सबसे बड़ी आबादी वाला यह प्रदेश केवल विश्व के तीन देश से छोटा है। उन्होंने कहा कि इंसान को इंसान से जोड़ने, अपसी दूरी को कम करने तथा एकता की भावना को और मजबूत करने की जरूरत है।

कार्यक्रम में मौलाना आगा रूही ने स्वागत भाषण दिया और लखनऊ के सद्भाव के इतिहास पर प्रकाश डाला तथा राज्यपाल का सम्मान हजरत अली के भाषण संग्रह 'नहजुल बलागा' की हिन्दी प्रति, शाॅल व स्मृति चिन्ह दे कर किया।

अंजुम/रा0/राजभवन (166/38)

जश्ने फातहे करबला

786/110
जश्ने फातहे करबला
आनन्द
चौक, लखनऊ
ANAN

जश्ने फातहे